



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जून 30, 2011/आषाढ़ 9, 1933

No. 139]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 30, 2011/ASADHA 9, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 2011

अंतिम जांच परिणाम

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जांच ।

सं. 15/4/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, और समय-समय पर सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए दिनांक 4 नवम्बर, 1999 की अधिसूचना सं. 39/1/99-डीजीएडी के तहत मूल जांच शुरू की थी । प्राधिकारी ने 3 नवम्बर, 2000 की अधिसूचना सं. 39/1/99-डीजीएडी के तहत चीन जन. गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और भारत सरकार द्वारा ऐसा निश्चयात्मक शुल्क 19 दिसम्बर, 2000 की सी.शु. अधिसूचना सं. 147/2000 के तहत लगाया गया था।

द्वारा ऐसा निश्चयात्मक शुल्क 19 दिसंबर, 2000 की सी.शु. अधिसूचना सं. 147/2000 के तहत लगाया गया था ।

2. प्राधिकारी ने 2 दिसंबर, 2004 की जांच शुल्कात संबंधी अधिसूचना सं. 39/1/99-डी जी ए डी के तहत निर्णायक समीक्षा जांच की थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा 1 दिसंबर, 2005 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 39/1/99-डी जी ए डी के तहत निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश की गई थी और राजस्व विभाग ने 17 जनवरी, 2006 की अधिसूचना सं. 03/2006-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाया था ।
3. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 17 नवंबर, 2008 की अधिसूचना सं. 15/24/2008-डी जी ए डी के तहत मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा 13 नवंबर, 2009 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 15/24/2008-डी जी ए डी के तहत निश्चयात्मक शुल्क की सिफारिश की गई थी और राजस्व विभाग ने 22 दिसंबर, 2009 की अधिसूचना सं. 143/2009-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाया था ।
4. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9 क(5) के अनुसार, लगाया गया पाटनरोधी शुल्क यदि पूर्व में समाप्त न किया जाए तो लगाए जाने की ऐसी तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाता है और प्राधिकारी के लिए इस बात की समीक्षा करना अपेक्षित होता है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । इस संबंध में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2006 की डब्ल्यू पी सं 16893 में यह निर्णय दिया है कि निर्णायक समीक्षा अनिवार्य है । अतः माननीय उच्च न्यायालय के उक्त आदेशों के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार 1 जुलाई, 2010 की अधिसूचना सं. 15/4/2010-डी जी ए डी के तहत संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू शुल्क की एक अन्य निर्णायक समीक्षा स्वतः शुरू की ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या वर्तमान शुल्क को समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।
5. स्वतः जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना जारी होने के बाद घरेलू उद्योग मै. दीपक नाइट्राइट लिमिटेड ने संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे जारी रखने का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया । मौखिक सुनवाई के बाद घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात जारी है, वर्तमान जांच अवधि में पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन दोनों सकारात्मक हैं और घरेलू उद्योग को मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद निरंतर क्षति हुई है और उसने शुल्क के स्वरूप में संशोधन के साथ शुल्क की राशि को बढ़ाने का अनुरोध किया है । इस अनुरोध का आधार यह था कि घरेलू उद्योग संबद्ध देश द्वारा संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण निरंतर क्षति उठा रहा है और वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । आवेदन का समर्थन मै पंजाब कैमिकल लिमिटेड ने किया था

जिसने बाद में प्राधिकारी को लागत एवं क्षति से संबंधित अपेक्षित सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

6. तत्पश्चात् संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों, भारत स्थित उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, संबंधित समझे जाने वाले भारत में आयातकों तथा प्रयोक्ताओं को अलग से लिखा गया था कि वे निर्धारित प्रपत्र और ढंग से संगत सूचना प्राधिकारी को प्रस्तुत करें और अपने विचारों से अवगत कराएं।

ख. प्रक्रिया

7. इस कार्यवाही में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- (i) प्राधिकारी ने धारा 9(ख) (5) तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार जांच शुरू की।
- (ii) प्राधिकारी ने जांच की स्वतः शुरुआत के बारे में घरेलू उद्योग तथा भारत स्थित चीन जन.गण. के दूतावास/प्रतिनिधियों को सूचित किया।
- (iii) घरेलू उद्योग से पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1 जुलाई, 2010 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, उसके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भेजी। इस जांच से संबंधित पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दायर करें और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं। निर्यातक को भेजे गए पत्र, आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण और प्रश्नावली की प्रतियां भी इस अनुरोध के साथ ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भेजी गई थीं कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- (iv) उपर्युक्त नियम 6 (3) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी।
- (v) नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी गई थी :
 1. चाइना नेशनल एंड कैमिकल आई/ई कार्पो., चीन
 2. वुहान कैमिकल्स आई/ई कार्पो., चीन;
 3. युन्नान प्रोविन्सियल कैमिकल्स आई/ई कार्पो., चीन;

4. जिगमैन कैमिकल्स आई/ई कार्पो., चीन;
5. कुन्मिंग इंपोर्ट्स एंड एक्सपोर्ट कार्पो.
6. चाइना हुनान कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन
7. शांक्शी जियाओचैंग होंगजिंग कैमिकल कं. लि.

(vi) संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर या अनुरोध दायर नहीं किया ।

(vii) नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी गई थी:

1. अहमदाबाद कैमिकल्स
2. एशियाटिक इंडस्ट्रीज
3. एरीज डाइकैम इंडस्ट्रीज
4. बकुल एरोमेटिक्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
5. बी आई मेहता
6. कैफिल प्रा.लि.
7. डिन्टैक्स डाइकैम लि.
8. डायनामिक इंडस्ट्रीज लि.
9. एन्जेल कैम. (आई) प्रा.लि.
10. फार्मसन फार्मास्युटीकल्स गुज. लि.
11. इंडोकोल कैम. लि.
12. आईलैंड वीरकैमी
13. जेन्संस लि.
14. केतुल कैम. प्रा. लि.
15. मैट्रोकेम इंडस्ट्रीज
16. मनीष कैमिकल्स
17. परसिन कैमिकल्स लि.
18. प्रबावा एक्सपोर्ट्स
19. रवि डायवियर कं. लि
20. रोहा डाई कैम
21. सवकाशी डाई - ओ - फैब

22. सु- वी कैमिकल्स लि.

23. सुवेन फार्मास्युटिकल लि.

- (viii) भारत के किसी भी आयातक ने कोई उत्तर या अनुरोध दायर नहीं किया है ।
- (ix) घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई उत्तर या अनुरोध दायर नहीं किया है ।
- (x) विचाराधीन उत्पाद, सोडियम नाइट्राइट अध्याय-28 के उप-शीर्ष 283410 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, सी.शु. वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और प्राधिकारी पर बाध्यकारी नहीं है ।
- (xi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती 3 वर्षों के लिए आयात के आंकड़े प्राप्त किए गए हैं । घरेलू उद्योग ने आई बी आई एस स्रोत के आधार पर आयात आंकड़े प्रस्तुत किए थे । डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त आंकड़ों पर प्राधिकारी ने इस जांच के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है क्योंकि उन्हें संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा अधिक सूचित करने वाला पाया गया है ।
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- (xiii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करने और भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर संभव समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (xiv) यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग ने समस्त सांविधिक लेखा बहियां रखी हैं । चूंकि भरोसा की गई सूचना लेखा बहियों से ली गई है, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनियों द्वारा रखी गई लेखा बहियों से सूचना का सत्यापन किया है ।
- (xv) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए 22.2.2011 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें घरेलू उद्योग और उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया था । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से किए गए

अनुरोधों के समर्थन में लिखित अनुरोध/उत्तर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

- (xvi) हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर इस जांच परिणाम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है।
- (xvii) यह जांच 1.04.2009 से 31.3.2010 (जांच अवधि) के लिए की गई थी और क्षति विश्लेषण 2006-07, 2007-08 तथा 2008-09 की अवधि के लिए किया गया है।
- (xviii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त समस्त विचारों तथा किए गए अनुरोधों पर उस सीमा तक विचार किया है जिस सीमा तक ये वर्तमान जांच के लिए संगत हैं।
- (xix) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने अपने विचाराधीन आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करते हुए 21 जून, 2011 को प्रकटन विवरण जारी किया। उस पर व्यक्त विचारों की इस जांच परिणाम में विधिवत जांच की गई है और समाधान किया गया है।
- (xx) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।
- (xxi) जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना नहीं जुटाई है, अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- (xxii) *** यह चिन्ह इस प्रकटन विवरण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है।
- (xxiii) जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 48.3=1 अम.डॉ. है।

ख.1 प्रकटन विवरण पर टिप्पणियाँ/विचार

घरेलू उद्योग की टिप्पणियाँ/विचार

8. केवल घरेलू उद्योग ने टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं। उपर्युक्तानुसार घरेलू उद्योग द्वारा उस

पर व्यक्त संगत टिप्पणियों की विधिवत जांच की गई है और इस जांच परिणाम में संबंधित पैरा में विचार किया गया है ।

क. ऐसा प्रतीत होता है कि क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने गलत बिक्री कारोबार अनुपात को अपनाया है तथा विनिर्माण उपरिव्यय, प्रशासनिक व्यय, ब्याज लागत एवं बिक्री व्यय के संबंध में अनुपात की पद्धति को भी बदला गया है ।

ख. प्रकटन विवरण में प्रकटित विभिन्न तथ्यों के आधार पर याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का आकलन किया है और यह पाया है कि आंकड़ों में भारी अंतर है । यह भी नोट किया जाता है कि चूंकि सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर आधारित है इसलिए क्षति रहित कीमत में अंतर का प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सी एन वी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है ।

ग. इस उत्पाद पर चीन से हुए आयातों पर शुल्क का बेंच मार्क रूप लागू है । याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे वर्तमान निर्णायक समीक्षा में शुल्क के उसी स्वरूप की सिफारिश करें ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

क. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति रहित कीमत के निर्धारण के बारे में उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है और प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुरूप डी जी ए डी की संगत पद्धति के अनुसार किया गया है ।

ख. इस जांच परिणाम के पैरा 8 में प्रक्रिया के बारे में किए गए उल्लेख के अनुसार प्राधिकारी ने डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया है क्योंकि उनमें घरेलू उद्योग द्वारा भरोसा किए गए आई बी आई एस स्रोत के आंकड़ों की तुलना में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा अधिक सूचित की गई है । उपर्युक्त कारणों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित निवल निर्यात कीमत और पहुँच मूल्य की गणना घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावे से

भिन्न है। इसके अलावा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत और सी एन वी का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुरूप डी जी ए डी की संगत पद्धति के अनुसार किया गया है। अतः प्राधिकारी द्वारा परिकल्पित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन घरेलू उद्योग के दावे से अलग होना चाहिए।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

9. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद पूर्ववर्ती जांचों के समान सोडियम नाइट्राइट है जो एक आक्सीडाइजिंग तथा न्यूनीकरण एजेंट है। यह एक सफेद रवादार पाउडर होता है जिसका अधिकांशतया उपयोग भेषज उद्योगों, रंग उद्योगों, लुब्रीकैन्टों, निर्माण रसायनों, रबड़ ब्लोइंग एजेंट, ताप अंतरण लवण, मांस प्रसंस्करण, वस्त्र आदि में किया जाता है। संबद्ध वस्तु का उत्पादन उत्प्रेरकों की उपस्थिति में उच्च तापमान पर नाइट्रस ऑक्साइड (नॉक्स गैस) अथवा अमोनिया से प्राप्त नाइट्रिक एसिड के उपयोग द्वारा किया जाता है। नाइट्रस ऑक्साइड को आगे सोडियम नाइट्राइट तैयार करने हेतु कॉस्टिक सोडा/सोडा ऐश में अवशोषित किया जाता है। यह उत्पाद गंधहीन तथा जल में विलेय है। यह निर्णायक समीक्षा होने के कारण इस जांच में मूल जांच में शामिल उत्पाद आते हैं।

10. सोडियम नाइट्राइट सी. शु. टैरिफ अधिनियम, 1975 के शीर्ष 2834.10 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सी.शु. वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और संबद्ध जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

11.1. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अभ्यावेदन किया है:

- i) घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच ऐसा कोई ज्ञात अंतर नहीं है, जिसका कीमत, उपयोग, गुणवत्ता आदि पर कोई प्रभाव पड़ सकता है।
- ii) घरेलू उद्योग तथा संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी तथा प्राथमिक उत्पादक प्रक्रिया तुलनीय है; तथापि, उत्पादक उपलब्ध सुविधाओं तथा आवश्यकताओं के आधार पर अपनी उत्पादक प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11.2 विचाराधीन उत्पाद सोडियम नाइट्राइट सी.शु. टैरिफ अधिनियम के अध्याय-28 के उपशीर्ष 2834.10 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

11.3 घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। अतः विनिर्माण प्रक्रिया में समानता और प्रतिस्थापनीयता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि दोनों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ समान तथा एक ही उत्पाद मानना अपेक्षित है। इसके अलावा वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहता है जैसा कि मूल जांच में है।

घ. घरेलू उद्योग का आधार तथा क्षेत्र

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

12. आधार संबंधी मुद्दे के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i) विचाराधीन उत्पाद के उनके अलावा दो और उत्पादक अर्थात् मै. नेशनल फर्टीलाइजर लि. तथा राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स लि. हैं।
- ii) आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन के 50% से अधिक बनता है। याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग है और इस प्रकार वह पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।
- iii) नियम 23 के अंतर्गत किसी निर्णायक समीक्षा जांच में आधार सिद्ध करने की जरूरत नहीं होती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. संबद्ध निर्णायक समीक्षा जांच की स्वतः शुरुआत करने के बाद मै. दीपक नाइट्राइट ने पुष्टिकृत आवेदन प्रस्तुत किया है। इस आवेदन का समर्थन संबद्ध वस्तु के एक अन्य घरेलू उत्पादक मै. पंजाब कैमिकल एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि. ने किया था। बाद में समर्थनकर्ता कंपनी ने अपेक्षित लागत एवं क्षति संबंधी सूचना भी प्रस्तुत की है। अपने आवेदन में मै. दीपक नाइट्राइट ने यह भी उल्लेख किया है कि उनके तथा मै. पंजाब कैमिकल्स के अलावा, भारत में दो अन्य ऐसी कंपनियां हैं जिनके बारे में यह समझा जाता है कि उन्होंने संबद्ध वस्तु के उत्पादन की क्षमताएं सृजित की हैं। ये कंपनियां हैं : मै. नेशनल फर्टीलाइजर लि. तथा राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स लि.। प्राधिकारी ने देश में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों और उत्पादन के बारे में सूचना प्रदान करने हेतु रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग से अनुरोध किया। परंतु प्राधिकारी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है।

14. प्राधिकारी ने मै. नेशनल फर्टीलाइजर लि. तथा राष्ट्रीय कैमिकल्स एंड फर्टीलाइजर्स लि. से भी अपने उत्पादन, लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया । परंतु उन्होंने कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की और न ही समर्थन में या विरोध में कोई विचार व्यक्त किया । उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता तथा घरेलू उद्योग की अंग समर्थनकर्ता कंपनी द्वारा प्रदत्त सूचना पर भरोसा किया है और शेष उत्पादकों तथा याचिका के समर्थन या विरोध करने वाले उत्पादकों के उत्पादन की मात्रा का आकलन किया है । सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. दीपक नाइट्राइट का उत्पादन कुल उत्पादन का 88.07% बनता है और मै. पंजाब कैमिकल्स के साथ यह संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन का 92% बनता है । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता अलग-अलग और समर्थनकर्ता उद्योग के साथ पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं ।

ड. न्यूनतम सीमा

15. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को प्राप्त आयात के आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

च. पाटन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था के दावे की जांच तथा सामान्य मूल्य का निर्धारण

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

16. इस संबंध में घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं:

- i) चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और डब्ल्यू टी ओ के सदस्यों ने इसे ऐसा ही माना है ।
- ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करना अपेक्षित होता है ।
- iii) इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी एक आधार पर किया जा सकता है:

(क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत,

(ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में परिकलित मूल्य,

(ग) ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देश के लिए कीमत

(घ) उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए समायोजित भारत में वास्तव में भुगतान की गई कीमत ।

(ङ) उचित लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु समायोजित भारत में वास्तव में भुगतान की जाने वाली कीमत

- iv) सामान्य मूल्य "समान वस्तु हेतु व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वह ऐसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे में खपत के लिए नियम हो" होनी चाहिए । इस आधार पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए ऐसे तीसरे देश में सहयोगी उत्पादक द्वारा उत्पादन लागत के साथ समस्त घरेलू बिक्री से संबंधित पूर्ण तथा विस्तृत सत्यापनीय सूचना तथा अन्य समस्त संबद्ध सूचना एवं साक्ष्य (व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समस्त सूचना सहित) अपेक्षित होती है । उपर्युक्त के मद्देनजर याचिकाकर्ता (क) सूचना उपलब्ध नहीं है; (ख) अपनाई गई कीमत व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की कीमत होनी चाहिए; (ग) ऐसी सूचना के लिए ऐसे तीसरे देश के किसी उत्पादक की ओर से सहयोग भी अपेक्षित होता है, कारणों से ऐसे तीसरे देशों से अन्य देशों के लिए कीमत पर विचार नहीं कर सकता है ।
- v) भारत चीन के उत्पादकों के लिए एक उचित प्रतिनिधि देश है । न केवल भारत को प्रतिनिधि देश मानने से सही और पर्याप्त सूचना की प्राप्ति होगी, अपितु इस बात पर विचार करने का कोई वास्तविक आधार नहीं है कि भारत उचित प्रतिनिधि देश नहीं होगा । भारत को अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों ने भी उचित प्रतिनिधि देश माना है ।
- vi) इस प्रकार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत, और (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है । अतः याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग के लिए उपलब्ध सूचना के आधार पर संबद्ध वस्तु हेतु परिकलित सामान्य मूल्य का दावा किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है ।

18. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और

उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है । संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है और वर्तमान जांच का उत्तर नहीं दिया है । इसके अलावा किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई अन्य वैकल्पिक आधार उपलब्ध नहीं कराया है जिसके अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया जा सके । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत को अपनाते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है । तदनुसार सामान्य मूल्य (सी एन वी) *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. परिकलित किया जाता है ।

छ. निर्यात कीमत

20. निर्यात कीमत के संबंध में प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है । अतः प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों के आधार पर भारत औसत निर्यात कीमत पर विचार किया है । डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के

अनुसार जांच अवधि के लिए चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों की भारत औसत सी आई एफ कीमत *** रूपए प्रति मी.ट. बनती है । संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों से उत्तर न मिलने की स्थिति में निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए *** रूपए (***) अम. डॉ. प्रति मी.ट.) की राशि के निम्नलिखित समायोजन किए गए हैं: -

- (क) समुद्री भाड़ा *** अम. डॉ. प्रति मी. ट. की दर से
- (ख) समुद्री बीमा सी आई एफ मूल्य के ***% की दर से
- (ग) कमीशन एफ ओ बी मूल्य के ***% की दर से
- (घ) पत्तन व्यय एफ ओ बी मूल्य के ***% की दर से
- (ङ) अंतरदेशीय भाड़ा एफ ओ बी मूल्य के ***% की दर से
- (च) बैंक कमीशन एफ ओ बी मूल्य के ***% की दर से
- (छ) चीन में वैट एफ ओ बी मूल्य के ***% की दर से

उपर्युक्त आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से हुए निर्यातों की निवल कारखाना निर्यात कीमत *** रूपए प्रति मी.ट. निर्धारित की है ।

ज. पाटन मार्जिन

21. उपर्युक्तानुसार कारखाना स्तर पर परिकलित सामान्य मूल्य और निर्धारित निर्यात कीमत के आधार पर जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी निर्यातकों के लिए निकाला गया पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

चीन (अम. डॉ. प्रति मी.ट)	सी एन वी आधार
सामान्य मूल्य	***
निवल निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन राशि अम. डॉ.	***
पाटन मार्जिन %	***
पाटन मार्जिन (% रेंज)	5 - 15

झ. पाटन जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

22. घरेलू उद्योग के अनुरोध

- पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन में संबद्ध वस्तु का सतत पाटन किया है । मूल जांच, मध्यावधि जांच और वर्तमान जांच में भी पाटन मार्जिन काफी अधिक रहा है ।

- निर्यात की मात्रा काफी अधिक बनी हुई है । पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी अत्यधिक पाटन स्तर पर हुए निरंतर निर्यातों से स्पष्टतः शुल्क को जारी रखने और उसके रूप में संशोधन करने की जरूरत है ।
- तीसरे देश में पाटन-चीन अन्य तीसरे देश में संबद्ध वस्तु का पाटन कर रहा है ।
- भारत में समूची घरेलू मांग को पूरा करने के लिए चीन में पर्याप्त उत्पादन क्षमता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने पाटन जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच निम्नानुसार की है:

- (क) न तो संबद्ध के किसी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर/अनुरोध प्रस्तुत किया है और न ही संबद्ध वस्तु के भारतीय आयातकों ने ।
- (ख) लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन के निर्यातकों का भारतीय बाजार में अत्यधिक हिस्सा है ।
- (ग) पाटनरोधी शुल्क के साथ भी आयातों की पहुंच कीमत घरेलू बिक्री कीमत से 1 कम है ।
- (घ) चीन के निर्यातों के कारण कीमत में सकारात्मक कटौती (पाटनरोधी शुल्क के साथ और उसके बिना) हो रही है । यद्यपि, दोनों स्थितियों में कम कीमत में बिक्री मामूली तौर पर सकारात्मक है । इसके अलावा, पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- (ङ) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- (च) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमरीकी प्राधिकारी ने भी चीन और जर्मनी से सोडियम नाइट्राइट के आयातों के बारे में अगस्त, 2008 की अपनी जांच संख्या 701-टी ए-453 (अंतिम) तथा 701-टी ए-1136-1137 (अंतिम) के तहत चीन के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लागू किया है । इससे भारत द्वारा लगाए गए मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में और अधिक मात्रा में संबद्ध वस्तु का

पाटन करने की चीन के उत्पादकों/निर्यातकों की क्षमता और सनक का पता चलता है, जिससे घरेलू उद्योगको आगे और क्षति हो रही है ।

- (छ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि चीन के पास भारत में मांग से काफी अधिक संबद्ध वस्तु की व्यापक उत्पादन क्षमता है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार में उत्पादकों को पूर्ण रूप से हटाना मुश्किल नहीं होगा ।
- (ड) वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध इस सूचना के आधार पर कि जांच अवधि के दौरान विश्व भर को संबद्ध वस्तु के चीन के निर्यातों की औसत कीमत 0.46 अम.डॉ. प्रति किग्रा. है जबकि भारत को निर्यात कीमत 0.44 अम.डॉ. प्रति किग्रा. है । भारत के लिए निर्यात कीमत पाटित कीमत है जो वैश्विक औसत निर्यात कीमत से मामूली कम है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि अपनी भारी उत्पादन क्षमता से शक्ति प्राप्त कर चीन द्वारा न केवल भारत को अपितु, अन्य देशों में भी संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारतीय उत्पादकों को हटाकर भारतीय बाजार पर पूर्णतः कब्जा करना मुश्किल नहीं होगा ।

अ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

24. घरेलू उद्योग ने सतत पाटन तथा क्षति का आरोप लगाया है और लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि को बढ़ाने का अनुरोध किया है । संबद्ध निर्णायक समीक्षा जांच सतत पाटन और क्षति अथवा पाटन और क्षति की संभावना की स्थिति का आकलन करने और लागू पाटनरोधी शुल्क को आगे और 5 वर्ष की अवधि तक जारी रखने/उसकी राशि में वृद्धि करने की समीक्षा करने के लिए है ।

25. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (क) (5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा : परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को समय-समय पर आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी ।

26. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी

प्रभाव । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।

27. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

प्राधिकारी द्वारा जांच

28. क्षति की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के प्रयोजनार्थ क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव और कीमत तथा लाभप्रदता पर प्रभाव की जांच की है । प्राधिकारी ने क्षति मापदंडों के विश्लेषण के बारे में पक्षकारों की चिंता को नोट किया है और समस्त आवश्यक क्षति मापदंडों का विश्लेषण कर इसका समाधान किया है ।

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

मांग और बाजार हिस्सा

29. प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत का प्रत्यक्ष निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और समस्त स्रोतों से हुए आयातों की राशि के रूप में किया है । इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में देखी जा सकती है । यह देखा जाता है कि समूची क्षति अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि प्रदर्शित हुई है ।

आंकड़े मी.ट. में

मांग	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
घरेलू उद्योग की बिक्री	22,227	24,844	21,828	25,466
आबद्ध खपत	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	2,813	2,813	2,813	2,813
चीन से आयात	5,839	4,183	8,309	11,332
ई यू से आयात (देश जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है)	2,268	2,423	1,503	2,595
आयात - अन्य देश	2	120	396	89
कुल मांग	33,806	35,048	36,202	43,604

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

30. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

आयातक - मी.ट.	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
चीन से आयात	5,839	4,183	8,309	11,332
निम्नलिखित की तुलना में चीन से आयातों का हिस्सा (%)				
➤ भारत में कुल आयात	72.00	62.19	81.40	80.85
➤ भारत में मांग	17.27	11.94	22.95	25.99
➤ भारतीय उद्योग का उत्पादन	21.63	14.39	29.67	34.18

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयातों में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध आयातों में भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है।

उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

32. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता में वृद्धि हुई है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में क्षमता उपयोग में मामूली वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता	मी. ट.	38,500	40,500	43,500	47,500
कुल उत्पादन	MT	31,396	33,885	32,003	39,293
घ. उ. का क्षमता उपयोग	%	81.55	83.67	73.57	82.72

संयंत्र एवं मशीनरी का आम तौर पर उपयोग घरेलू उद्योग द्वारा सोडियम नाइट्राइट और सोडियम नाइट्रेट के विनिर्माण में किया जाता है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की संयुक्त उत्पादन क्षमता का निर्धारण दोनों उत्पादों को ध्यान में रखते हुए किया है।

घरेलू उद्योग की बिक्री:

33. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा : -

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री	मी.ट.	22,227	24,844	21,828	25,466
सूचीबद्ध	%	100	112	98	115

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

34. भारत में मांग में घरेलू उद्योग तथा विभिन्न अन्य पक्षकारों का हिस्सा निम्नानुसार था:

मांग में बाजार हिस्सा (%)	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	65.75	70.89	60.30	58.40
आबद्ध खपत	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	8.32	8.03	7.77	6.45
आयातक - चीन	17.27	11.94	22.95	25.99
आयातक - ई यू पर पाटनरोधी शुल्क लागू है ।	6.71	6.91	4.15	5.95
आयातक - अन्य देश	0.01	0.34	1.09	0.20

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है । समूची क्षति अवधि के दौरान समर्थनकारी कंपनी और अन्य घरेलू उत्पादकों के हिस्से में गिरावट आई है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान चीन से हुए निर्यातों के हिस्से में वृद्धि हुई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट चीन जन.गण. से हुए आयातों के कारण आई है । इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लागू होते हुए भी आयातों की मात्रा पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव नहीं पड़ा है ।

ख) **कीमत प्रभाव** - पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

35. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास के संदर्भ में की गई है । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच की गई है । घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में करों, रिबेट, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत छूट और कमीशन का समायोजन किया गया है । चूंकि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत निकाली है और उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री की सीमा तक पहुंच मूल्य के साथ की है । घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर विधिवत विचार करने के बाद किया गया है । स्थिति निम्नानुसार है :

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री :

36. कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत न्यूनकारी/ह्रासकारी प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है:

<u>कीमत कटौती (पाटनरोधी शुल्क रहित)</u>	<u>रू./मी.ट.</u>
निवल बिक्री प्राप्ति	***
पहुंच कीमत	***
कीमत कटौती रूपए	***
कीमत कटौती % (रेंज)	10 - 20
<u>कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क रहित)</u>	
निवल बिक्री प्राप्ति	***
पहुंच कीमत	***
<u>कम कीमत पर बिक्री</u> रूपए	***
<u>कम कीमत पर बिक्री</u> % (रेंज)	0 - 10

<u>कीमत कटौती (पाटनरोधी शुल्क सहित)</u>	<u>रू./मी.ट.</u>
निवल बिक्री प्राप्ति	***
पहुंच कीमत	***
कीमत कटौती रूपए	***
कीमत कटौती % (रेंज)	5 - 15
<u>कम कीमत पर बिक्री (पाटनरोधी शुल्क सहित)</u>	
निवल बिक्री प्राप्ति	***
पहुंच कीमत	***
<u>कम कीमत पर बिक्री</u> रूपए	***
<u>कम कीमत पर बिक्री</u> % (रेंज)	0 - 10

कीमत न्यूनीकरण एवं हास

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
बिक्री की लागत	रु. / मी.ट.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु. / मी.ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु. / मी.ट.	***	***	***	***

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिससे पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित दोनों रूप में कीमत में भारी कटौती हुई है। तथापि, शुल्क सहित और रहित दोनों रूप में आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से मामूली कम है जिससे मामूली सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री हुई है। इसके अलावा, कीमत हासकारी और न्यूनकारी प्रभाव भी नहीं है।

ट. क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

37. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री के साथ-साथ विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से के अनुरूप मांग की पद्धति जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों की जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों का विश्लेषण किया गया है जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है जो निम्नानुसार हैं:

लाभ/हानि, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

38. निवेश पर आय ब्याज पूर्व एवं पश्चात लाभ/हानि और नकद लाभ को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
बिक्री लागत - घरेलू	रु / मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	100	93	115	85
बिक्री कीमत - घरेलू	रु / मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	100	106	174	131
लाभ/(हानि) - घरेलू	रु / मी.ट.	***	***	***	***

सूचीबद्ध	%	-100	-48	80	65
लाभ/(हानि) - घरेलू	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	-100	-54	78	75
घरेलू बिक्री पर ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	-100	-34	135	114
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	-100	-43	115	113
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध	%	-100	-36	129	107

i) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय में काफी सुधार प्रदर्शित हुआ है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आई है।

मालसूची:

39. घरेलू उद्योग की मालसूची निम्नानुसार रही है:

	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
औसत स्टॉक	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	49	16	16

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत माल सूची में भारी गिरावट आई है लेकिन तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उसमें मामूली वृद्धि हुई है।

रोजगार और मजदूरी

40. घरेलू उद्योग के रोजगार और मजदूरी की स्थिति निम्नानुसार है:

		2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	सूचीबद्ध	100	100	77	78
वेतन तथा मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	170	180	199

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त वेतन और मजदूरी बढ़ी है ।

उत्पादकता

41. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार है:

		2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	104	125
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	105	161

आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादकता में उत्पादन और रोजगार के अनुरूप काफी वृद्धि हुई है ।

पाटन मार्जिन

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यात का पाटन मार्जिन सकारात्मक और न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

वृद्धि

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, लाभप्रदता, लगाई गई पूंजी पर आय, उत्पादकता में वृद्धि के रूप में सकारात्मक वृद्धि की है और माल सूची में गिरावट आई है ।

पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है । निवेश में आगे और वृद्धि करने की उसकी क्षमता इस मामले में कोई खास महत्व नहीं रखती है ।

ठ. क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

घरेलू उद्योग के अनुरोध

45. क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित दावे किए हैं:-

(क) आयात अभी भी अत्यधिक संवर्धित मात्रा में जारी है और इन्हें कम तथा पाटित कीमत पर होने की सूचना दी गई है ।

(ख) पूर्ववर्ती जांचों के समय जो परिस्थितियां मौजूद थीं, वे आज की तारीख तक उसी रूप में विद्यमान हैं । परिस्थितियों में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, जिससे यह संकेत मिल सके कि पाटन पूर्ववर्ती जांचों के समय के स्तर से अधिक स्तर पर पुनः न होने की संभावना नहीं है ।

(ग) यूरोपीय संघ से हुए आयातों पर भी पाटनरोधी शुल्क लागू है ।

(घ) संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु की भारी उत्पादन क्षमताओं और चीन के उत्पादकों के निर्यातानुमुखी होने तथा भारत में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क में कमी या समाप्ति की किसी संभावना की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटित आयातों में वृद्धि होने की संभावना है ।

(ङ) लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार करने के बाद भी सकारात्मक कीमत कटौती से लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संकेत मिलता है । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग संबद्ध देश से आयातों के और बड़े खतरे का सामना करेगा ।

(च) चीन के निर्यातक तीसरे देशों को संबद्ध वस्तु का निर्यात कर रहे हैं । यह उस कीमत से स्पष्ट होता है जिस कीमत पर कई अन्य देशों को वस्तु का निर्यात किया गया है । तीसरे देश में ऐसे पाटन के कारणों को संबद्ध देश में उत्पाद की बेशी क्षमताओं के रूप में देखना होगा ।

(छ) चीन में उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमताएं काफी अधिक हैं। चीन में सोडियम नाइट्राइट के 92 उत्पादक हैं। तीसरे देश के बाजारों में चीन के उत्पादकों द्वारा किए जा रहे भारी मात्रा में निर्यातों से यह स्पष्ट हो जाता है कि पाटन रोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है।

(ज) चीन के उत्पादकों के पास सोडियम नाइट्राइट की भारी क्षमताएं हैं और वे भारत तथा तीसरे देशों को अत्यधिक मात्रा में निर्यात कर रहे हैं। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग चीन से संबद्ध वस्तु के सतत पाटन का सामना कर रहा है। तथापि, इस बात पर विश्वास करने का कोई कारण और औचित्य नहीं है कि शुल्क समाप्त किए जाने से बड़े पैमाने पर पाटन में वृद्धि और उसके जारी रहने की संभावना नहीं है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होगी।

(झ) शुल्क का वर्तमान स्वरूप निष्प्राभावी हो गया है और उसे अम.डॉ. में व्यक्त रूप में तय कर संशोधित करना अपेक्षित है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

46. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति रहित जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की निम्नानुसार जांच की है:

- i) संबद्ध देश के उत्पादक/निर्यातक अथवा संबद्ध वस्तु के भारतीय आयातकों ने कोई उत्तर नहीं दिया है/अनुरोध नहीं किया है।
- ii) आधार वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में भारी वृद्धि हुई है और यह वृद्धि वर्तमान क्षति अवधि में काफी अधिक रही है।
- iii) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पाटित कीमतों पर जारी हैं।
- iii) पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित, दोनों रूप में कीमत कटौती सकारात्मक तथा अत्यधिक है।
- iv) पाटनरोधी शुल्क सहित और रहित कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है। तथापि, यह शुल्क के साथ 1% से कम है।
- v) घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय जैसे विभिन्न आर्थिक मापदंडों के रूप में सुधार हुआ है।

vi) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर आ रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

vii) घरेलू उद्योग ने अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों में बेंच मार्क रूप से बदल कर निर्धारित रूप में अमरीकी डॉलर में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क लागू करने का अभ्यावेदन किया है । परंतु प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से शुल्क के बेंच मार्क स्वरूप की सिफारिश करने का अनुरोध किया था ।

ड. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

47. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच में कारणात्मक संबंध की महत्ता और प्रासंगिकता के बारे में किए गए अनुरोधों की जांच की है । यह नोट करना जरूरी है कि धारा 9 (5) के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए पाटन और क्षति की संभावना और शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करना अपेक्षित होता है भले ही समीक्षा जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात हुआ हो अथवा नहीं । इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ! निम्नानुसार नोट किया जाता है :

पाटित कीमतों पर बेचे न गए आयातों की मात्रा और कीमत

48. प्राधिकारी ने यह पाया है कि यूरोप से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर भी पाटनरोधी शुल्क लागू है । जांच अवधि के दौरान जिन अन्य देशों से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है, वे न्यूनतम हैं ।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है । इसके अलावा, बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिस्पर्धा को छोड़कर घरेलू उत्पादकों के बीच कोई दृष्टव्य प्रतिस्पर्धा नहीं है ।

मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं आई है । अतः मांग में कोई संभावित गिरावट ऐसा कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । हितबद्ध पक्षकारों ने खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में कोई तर्क नहीं दिया है और न ही ऐसा प्रतीत होता है कि खपत की पद्धति में परिवर्तनों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

निर्यात निष्पादन

51. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में पर्याप्त वृद्धि हुई है । अतः निर्यात प्रवृत्ति घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं है । तथापि, घरेलू बिक्री से संबंधित आंकड़ों की अलग से जांच की गई है ।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
निर्यात बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***

ढ क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

52. प्राधिकारी के निर्धारण के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। इस प्रकार की तुलना के बाद क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

विवरण	इकाई	राशि
क्षति रहित कीमत	रु. / मी.ट.	***
पहुंच कीमत	रु. / मी.ट.	***
क्षति मार्जिन	रु. / मी.ट.	***
क्षति मार्जिन	%	***
क्षति मार्जिन (रेंज)	सूचकांक	0 - 10

ण. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

53. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी दो या अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकते हैं।

54. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

त. निष्कर्ष

55. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन एवं परिणामी क्षति जारी रहने एवं पाटन तथा क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) न तो संबद्ध के किसी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर/अनुरोध प्रस्तुत किया है और न ही संबद्ध वस्तु के भारतीय आयातकों ने ।
- (ख) लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन के निर्यातकों का भारतीय बाजार में अत्यधिक हिस्सा है ।
- (ग) पाटनरोधी शुल्क के साथ भी आयातों की पहुंच कीमत घरेलू बिक्री कीमत से 1 कम है ।
- (घ) चीन के निर्यातों के कारण कीमत में सकारात्मक कटौती (पाटनरोधी शुल्क के साथ और उसके बिना) हो रही है । यद्यपि, दोनों स्थितियों में कम कीमत में बिक्री मामूली तौर पर सकारात्मक है
- (ङ) जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग ने बिक्री, लाभ, लाभप्रदता, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी जैसे कुछ प्रमुख आर्थिक मापदंडों में गिरावट की प्रवृत्ति दर्शायी है । तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है जिससे उत्पादन तथा घरेलू बिक्री में वृद्धि, क्षमता उपयोग में वृद्धि, लाभ एवं लाभप्रदता में वृद्धि, लगाई गई पूंजी में आय में वृद्धि के रूप में सकारात्मक वृद्धि और उत्पादकता वृद्धि के साथ मालसूची में गिरावट का पता चलता है ।
- (च) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है परंतु यह नोट किया जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बाद भी कीमत कटौती सकारात्मक है । इसके अलावा क्षति मार्जिन मामूली रूप से सकारात्मक है ।
- (छ) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- (ज) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमरीकी प्राधिकारी ने भी चीन और जर्मनी से सोडियम नाइट्राइट के आयातों के बारे में अगस्त, 2008 की अपनी जांच संख्या 701-टी ए-453 (अंतिम) तथा 701-टी ए-1136-1137 (अंतिम) के तहत चीन के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लागू किया है । इससे भारत द्वारा लगाए गए मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में और अधिक मात्रा में संबद्ध वस्तु का

पाटन करने की चीन के उत्पादकों/निर्यातकों की क्षमता और सनक का पता चलता है, जिससे घरेलू उद्योगको आगे और क्षति हो रही है ।

- (झ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि चीन के पास भारत में मांग से काफी अधिक संबद्ध वस्तु की व्यापक उत्पादन क्षमता है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार में उत्पादकों को पूर्ण रूप से हटाना मुश्किल नहीं होगा ।
- (ट) वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध इस सूचना के आधार पर कि जांच अवधि के दौरान विश्व भर को संबद्ध वस्तु के चीन के निर्यातों की औसत कीमत 0.46 अम.डॉ. प्रति किग्रा. है जबकि भारत को निर्यात कीमत 0.44 अम.डॉ. प्रति किग्रा. है । भारत के लिए निर्यात कीमत पाटित कीमत है जो वैश्विक औसत निर्यात कीमत से मामूली कम है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि अपनी भारी उत्पादन क्षमता से शक्ति प्राप्त कर चीन द्वारा न केवल भारत को अपितु, अन्य देशों में भी संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारतीय उत्पादकों को हटाकर भारतीय बाजार पर पूर्णतः कब्जा करना मुश्किल नहीं होगा ।

56. घरेलू उद्योग ने वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को बेंचमार्क रूप से बदलकर अम.डॉ. में व्यक्त निर्धारित रूप में करने के लिए अभ्यावेदन किया है । परंतु, घरेलू उद्योग ने शुल्क के स्वरूप में परिवर्तन की जरूरत को न्यायोचित ठहराते हुए कोई पुष्टिकृत आंकड़ा/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया । इसके अलावा घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में सुधार की वजह से मौजूदा पाटनरोधी उपाय के स्वरूप में कोई परिवर्तन अपेक्षित नहीं है । अतः उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी संदर्भ कीमत आधार के स्थान पर निर्धारित मात्रात्मक आधार पर उपाय को लागू करना उचित नहीं समझते हैं ।

भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

57. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । उपभोक्ता अभी भी दो या अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकते हैं ।

58. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

थ. सिफारिशें

59. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण पाटन और क्षति जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है। प्राधिकारी का यह मत है कि उपाय की अवधि को बढ़ाना अपेक्षित है तथा प्राधिकारी द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-1, खंड-1 में प्रकाशित दिनांक 1.12.2005 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 39/1/1999-डी जी ए डी के तहत की गई संस्तुति और केन्द्र सरकार द्वारा 17.1.2006 की अधिसूचना सं. 3/2006-सी.शु. के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करना अपेक्षित है।

60. लागू वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में वर्तमान पाटन तथा पाटन की आसन्नवर्ती संभावना की जांच करने के बाद और चूंकि संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है और अपेक्षित सूचना/आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं, इसलिए प्राधिकारी चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बारे में पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो के बराबर निम्नलिखित शुल्क तालिका में किए गए उल्लेखानुसार पाटनरोधी शुल्क को आगे और 5 वर्ष तक जारी रखने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध के सभी आयातों पर निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि और पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं:-

क्र. सं.	सीमाशुल्क उप शीर्ष	विवरण	उद्गम देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2834 10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	515.94	मी.ट.	अम.डॉ.
2	2834 10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जन. गण.	कोई	कोई	कोई	515.94	मी.ट.	अम.डॉ.
3	2834 10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	515.94	मी.ट.	अम.डॉ.

द. आगे की प्रक्रिया

61. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 1, 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

62. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 2011

FINAL FINDINGS

(Sunset Review)

Subject : Anti-Dumping Sunset Review Investigation concerning imports of Sodium Nitrite originating in or exported from China PR.

No. 15/4/2010-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and thereafter (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995 (hereinafter referred to as Rules) thereof;

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended had initiated the original investigation vide Notification No. 39/1/99-DGAD dated 4th November 1999. The Authority issued its final findings recommending imposition of definitive Anti Dumping Duty on imports of Sodium Nitrite (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred as subject country), vide Notification No. 39/1/99-DGAD dated 3rd November 2000 and such definitive duty was imposed by the Govt. of India vide Customs Notification No. 147/2000 dated 19th December 2000.
2. The Authority conducted a sunset review investigation vide initiation Notification No.39/1/99-DGAD dated 2nd December 2004. The definitive duties were recommended by the Designated Authority vide final findings Notification No. 39/1/99-DGAD dated

1st December 2005 and the definitive duties were imposed by the Department of Revenue vide Notification No. 03/2006-Customs dated 17th January 2006.

3. The Designated Authority initiated a mid-term review investigation vide Notification No. 15/24/2008-DGAD dated 17th November 2008. The definitive duties were recommended by the Designated Authority vide its final findings Notification No. 15/24/2008-DGAD dated 13th November 2009 and the definitive duties were imposed by the Department of Revenue vide Notification No. 143/2009-Customs dated 22nd December 2009.
4. In terms of Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act 1995, the antidumping duties imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this regard, Hon'ble Delhi High Court in WP No 16893 of 2006 has held that sunset review is mandatory. Therefore, pursuant to the stated orders of the Hon'ble High Court, the Designated Authority initiated suo-moto another sunset review of the duties imposed on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country, in accordance with Section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of Anti-dumping Rules, vide Notification No. 15/4/2010-DGAD dated 1st July, 2010, to examine whether cessation of the extant duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
5. After issue of the suo-moto initiation notification, M/s. Deepak Nitrite Ltd, the domestic industry, submitted an application requesting for review and continuation of the anti-dumping duties levied on the imports of the subject goods, originating in or exported from subject country. Post oral hearing, the domestic industry has submitted that the product under consideration continues to be exported to India at dumped prices from the subject country, both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and domestic industry has suffered continued injury in spite of existing anti-dumping duties and requested for enhancement of the duties along with modification in the form of the duties. The request was based on the grounds that the domestic industry continued to suffer injury on account of dumping of the subject goods by the subject country and cessation of the extant anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The application was supported by M/s Punjab Chemicals Ltd who have subsequently submitted required information/data relating to costing and injury to the Authority.
6. Thereafter, the producers/exporters in the subject country, their government through their embassy in India, the importers and users in India, known to be concerned, were addressed separately to submit the relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority.

B. PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed in this proceeding:

- (i) The Authority initiated the investigation as per Sec 9 (A) (5) along with Rule 23 of Anti-Dumping Rules.
- (ii) The Authority notified the domestic industry and Embassy/Representatives of China PR in India about the suo motu initiation of the investigation.
- (iii) After receipt of the substantiated application from the domestic industry, the Designated Authority sent copies of initiation notification dated 1st July, 2010 to the Embassy/Representatives of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the letter, non confidential version of the application and questionnaire sent to the exporter were also sent to the Embassy of subject country along with a list of known exporters/ producers with request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (iv) Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
- (v) Exporters Questionnaire was sent to the following known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information:
1. China National & Chemicals I/E Corpn, China.
 2. Wuhan Chemicals I/E Corp., China;
 3. Yunnan Provincial Chemicals I/E Corporate, China;
 4. Jiagmen Chemicals I/E Company, China;
 5. Kunming Imports & Export Corpn
 6. China Hunan Chemicals Imp. & Exp. Corpn.
 7. Shanxi Jiaocheng Hongxing Chemical Co., Ltd.
- (vi) No response or submission has been filed by any of the producers/exporters from the subject country.
- (vii) Importers Questionnaire was sent to the following known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4):
1. Ahmedabad Chemicals
 2. Asiatic industries
 3. Aries Dyechem Inds.
 4. Bakul Aromatics & Chemicals Limited
 5. B. I. Mehta

6. Caffil Pvt. Ltd.
7. Dintex Dyechem Limited
8. Dynamic Industries Limited
9. Enzel Chem (I) Pvt. Ltd
10. Farmson Pharmaceuticals Guj. Ltd..
11. Indocol Chem Ltd
12. Island Veerchemie
13. Jansons Limited
14. Ketul Chem Pvt. Ltd.
15. Metrochem Industries
16. Manish Chemicals
17. Parsin Chemicals Limited
18. Prabava Exports
19. Ravi Dyewear Co. Ltd.
20. Roha Dyechem
21. Savakashi Dye – O – Fab
22. SU – Vi Chemicals Ltd.
23. Suven Pharmaceuticals Limited

- (viii) No response or submission has been filed by any importers in India.
- (ix) No response or submission has been filed by any other interested party other than the domestic industry.
- (x) The product under consideration, Sodium Nitrite, is classified under Chapter 28 under Sub-heading 283410. However Customs classification is indicative only and not binding on the Authority.
- (xi) The import data for the period of investigation and preceding three years has been procured from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The domestic industry had furnished import data based on IBIS source. The data provided by DGC&IS have been relied upon by the Authority for the purpose of this investigation since same has been found to have reported higher volume of imports of subject goods from the subject country .
- (xii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- (xiii) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered by the domestic industry and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India, so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry.
- (xiv) It was noted that the domestic industry have maintained all statutory books of accounts. Since information relied upon is from the books of accounts, the Authority has adopted the information verified from the books of accounts maintained by the companies.
- (xv) The Authority held a public hearing on 22.02.2011 to hear the interested parties orally, which was attended by the domestic industry and their representatives. The interested parties were given opportunity by the Designated Authority to submit written submissions/rejoinders in support of the submissions made by them orally.
- (xvi) The arguments raised in the written submissions/rejoinders received from interested parties have been considered, wherever found relevant, in this finding;
- (xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1.04.2009 to 31.3.2010 (POI) and the Injury analysis has been done for the period 2006-07, 2007-08 and 2008-09.
- (xviii) The Authority has considered all views expressed and submissions made by interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.
- (xix) In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the Authority issued a Disclosure Statement on 21st June, 2011 disclosing thereby essential facts of the subject investigation under consideration of the Authority.
- (xx) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xxi) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded this finding on the basis of the facts available.
- (xxii) *** in this disclosure statement represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the Rules.
- (xxiii) The exchange rate adopted for the POI is Rs. 48.3=1 US \$.

B.1 Comments/Views on the Disclosure Statement**Comments/Views by the Domestic Industry**

8. Only the Domestic Industry has furnished comments. The relevant comments expressed thereon by the Domestic Industry, as mentioned below, have been duly examined and addressed in the respective para in this finding:
- a. It appears that a wrong sales turnover ratio has been adopted by the Authority for determination of NIP and apportionment method in respect of manufacturing overheads, administrative expenses, interest cost and selling expenses has also been changed.
 - b. Based on various facts disclosed in the disclosure statement, the petitioner has *assessed the dumping margin and injury margin determined by the authority* and finds that there are significant differences in the figures. It is also noted that since the normal value is based on cost of production of the domestic industry, the difference in non injurious price has direct implications on the CNV determined by the Authority.
 - c. The product is attracting benchmark form of duty on imports from China. The petitioner requests the authority to kindly recommend the same form of duty in the present sunset review.

Examination by the Authority

- a. The issues raised by domestic industry regarding determination of non injurious price (NIP) have been examined and the Authority notes that the NIP has been determined by the Authority in line with the Anti Dumping Rules and as per the consistent practice of the DGAD.
- b. As already stated in the procedure at para 8 above of this finding, the Authority has relied upon DGCI&S data since the same was found to have reported higher volume of imports of the subject goods from the subject country as compared to the data from the IBIS source relied upon by the Domestic Industry. In view of the above reasons the calculation of net export price and landed value determined by the Authority differs with the same claimed by the domestic industry. Further, NIP and CNV determined by the Authority is in line with the AD Rules and consistent practice of the DGAD. Therefore, dumping margin and injury margin calculated by the Authority ought to differ with the claim by the domestic industry.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'

9. Product under consideration in the present sunset review investigation, as in the earlier investigations, is Sodium Nitrite, which is an oxidizing as well as reducing agent. It is a white crystalline powder mostly used in pharmaceutical industries, dye industries, lubricants, construction chemicals, rubber blowing agent, heat transfer salts, meat processing, textiles etc. The subject goods are produced by using nitric acid obtained from nitrous oxide (nox gas) or ammonia at high temperature in presence of catalysts. The nitrous oxide is further absorbed in caustic soda/soda ash to get sodium nitrite. The product is odorless and soluble in water. This being a sunset review, investigation covers the products covered in the original investigation.
10. Sodium Nitrite is classified under heading 2834.10 of the Customs Tariff Act, 1975. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the subject investigation.

Submissions made by the Domestic Industry

- 11.1. The Domestic Industry has represented as follows with regard to product under consideration and like article:
- i) There is no known difference between the subject goods manufactured by the domestic industry and the subject goods imported from the subject country, which can have any impact on price, usage, quality etc.
 - ii) The technology and primary production process employed by domestic industry and the producers of the subject country are comparable; however, the producers fine-tune their production process based on available facilities and necessities.

Examination by the Authority

- 11.2 The product under consideration Sodium Nitrite is classified under Chapter 28 under Sub-heading 2834.10 of the Customs Tariff Act.
- 11.3 The product under consideration produced by the Indian industry and imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority therefore holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' as per Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules. Moreover the present investigation being a sunset review, the scope of the product under consideration remains same as in the original investigation.

D. **Standing and scope of the Domestic Industry**

Submissions made by the Domestic Industry

12. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing issue:
- i) There are two more producers of the product under consideration namely M/s National Fertilizer Limited and Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited besides themselves.
 - iii) The domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of the total production of the like product produced by the domestic industry. Production of the petitioner constitutes a major proportion in Indian Production and thus constitutes domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.
 - iii) There is no need to prove the standing in a sunset review investigation under Rule 23.

Examination by the Authority

13. After suo motu initiation of the subject sun set review investigation, M/s Deepak Nitrite has submitted the substantive application. The application was supported by M/s Pubjab Chemicals & Crop Protection Ltd, another domestic producer of the subject goods. Subsequently, the supporting company has also furnished the required costing and injury information. It has also been stated by M/s Deepak Nitrite in its application that apart from themselves and M/s Punjab Chemicals, there are two other companies, which are known to have created capacities to produce the subject goods in India namely M/s. National Fertilizer Limited and M/s. Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited. The Authority requested the Department of Chemicals and Petrochemicals to provide the information with regard to the domestic producers and production of the subject goods in the country. But, no information has been made available to the Authority.
14. The Authority also requested M/s. National Fertilizer Limited and M/s. Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited to provide their production, costing and injury information. But, no information was furnished by them or expressed any views regarding support or opposition. In view of the above position, the Authority has relied upon information provided by the petitioner and the supporting company constituting domestic industry and assessed the production volumes of remaining producers and their support and opposition to the petition. On the basis of the verified information, the Authority notes that M/s Deepak Nitrite constitutes 88.07% of the domestic production and together with M/s Punjab Chemicals, constitutes 92% of the domestic production of the subject goods. Therefore, the Authority holds that for the purpose of this investigation, the petitioners individually as well as with the supporting industry, constitute domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

E. De Minimis Limits

15. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, the import of the subject goods from the subject countries are above the de-minimis level.

F. Dumping Determination**Examination of Market Economy Claim And Determination of Normal Value****Submissions of the Domestic Industry**

16. The following are the views of the domestic industry in this regard:

- i) China is a non-market economy and treated so by the members of the WTO.
- ii) The Designated Authority is required to determine normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
- iii) According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
 - (a) the price in a market economy third country,
 - (b) constructed value in a market economy third country,
 - (c) the price from such a third country to other country, including India.
 - (d) the price actually paid in India, adjusted to include a reasonable profit margin.
 - (e) the price actually payable in India, adjusted to include a reasonable profit margin.
- iv) Normal value must be “comparable price in the ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in such market economy third country”. In order to arrive at normal value on this basis, the complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a co-operating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade) are required. In view of the above, the petitioner could not consider price from such third countries to other countries for the reasons (a) information is not available; (b) the price so adopted must be a price in the ordinary course of trade; (c) such information would also require cooperation from a producer in such third country.

- v) India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Not only consideration of India as a surrogate country would result in access to accurate and adequate information, there is no factual basis to consider that India would not be a proper surrogate country. India has been considered as an appropriate surrogate by other Investigating Authorities too.
- vi) The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. The petitioner has, therefore, claimed constructed normal value for the subject country based on the information available for the domestic industry.

Examination by the Authority

17. The Authority, notes that in the past China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure of Anti-dumping Rules, China PR is treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.
18. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and,
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
19. The Authority notes that in the present case no response has been received from any producer/exporter from China PR. None of the exporters/producers from the subject country have cooperated with the Authority and responded to the present investigation. Further none of the interested parties have provided any other alternate basis on which normal value can be determined. In view of the above position and considering China as

a non market economy, the Authority has constructed the normal value based on facts available by adopting the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. Accordingly, the normal value (CNV) has been constructed at US \$ *** per MT.

G. EXPORT PRICE

20. With regard to export price, the Authority observed that none of the exporters from the subject country has cooperated in the subject investigation. Therefore, the Authority has considered weighted average export price based on the DGCI&S import data. The weighted average CIF price of imports of the subject goods from China PR, as per DGC&IS data for the POI comes to Rs *** per MT. In the absence of response from producers/exporters from the subject country, the following adjustments amounting to Rs. ***/- (USD *** per Mt) have been made to arrive at net export price: -

- (a) Ocean freight @ US\$ *** pmt
- (b) Marine insurance @ ****% of CIF value
- (c) Commission @ ****% of FOB value
- (d) Port expenses @ ****% of FOB value
- (e) Inland freight @ ****% of FOB value
- (f) Bank commission @ ****% of FOB value
- (g) Chinese VAT @ ****% of FOB value

Based on the above data the net ex-works export price of the exports from China PR has been determined by the Authority as Rs. ***/- per Mt.

H. Dumping Margin

21. On the basis of the constructed normal value and net export price determined, as explained above, at ex-factory level, the dumping margin arrived at for all exporters of the subject goods from the subject country during POI is as given in table below:

China (US\$ per MT)	On CNV basis
Normal value	***
Net Export price	***
Dumping margin amount US \$	***
Dumping margin %	***
Dumping Margin (Range %)	5 - 15

I. Likelihood of continuation/recurrence of dumping**22. Submissions of domestic industry**

- China has continued dumping of subject goods despite anti-dumping duty. The dumping margin in the original investigation, mid-term investigation as also in the current investigation remained significant.
- Volume of exports has remained at significant level. Continued exports even after imposition of anti –dumping duty at significantly dumping levels clearly shows the need for continuation and modification in the form of duty.
- Third country dumping- China is dumping the subject good in other third country.
- China is having ample production capacity to meet the entire domestic demand in India.

Examination by the Authority

23. The Authority examined the likelihood of recurrence/ continuation of dumping as follows:

- (a) No response/submission was made by either the producers/exporters from the subject country or by the Indian importers of the subject goods.
- (b) In spite of the anti-dumping duty in force, the Chinese exporters command a significant share in the Indian market.
- (c) The landed price of imports, even with anti dumping duty, is lower than the domestic selling price.
- (d) Chinese exports causing positive price undercutting (with ADD as well as without ADD), although in both the situations price underselling is marginally positive. Further, dumping margin is positive and above de-minimis.
- (e) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimis.
- (f) Based on the information provided by the domestic industry, the Authority notes that the US Authority vide their investigation No. 701-TA-453 (Final) and 701-TA-1136-1137 (Final) dated August 2008, concerning imports of Sodium Nitrite from China and Germany, has also imposed anti-dumping duty against China. This is indicative of the potential and psyche of the Chinese producers/exporters to dump the subject goods in

to India in a more intensified manner, in the event of cessation of the existing anti-dumping duty imposed by India, causing further injury to the domestic industry.

- (g) From the information provided by domestic industry, Authority further notes that China has tremendous production capacity of the subject goods, far exceeding demand in India. In the event of cessation of the existing anti-dumping duty, it would not be difficult for the Chinese producers/exports to completely replace the producers in the Indian market.
- (h) Based on the information available in World Trade Atlas that during the POI the Average price of Chinese exports of the subject goods to world over is US\$ 0.46 per KG, whereas exports to India is at US\$ 0.44 per Kg. The export price to India which is dumped price is marginally lower than the world average export price. The Authority notes that deriving its strength from its huge production capacity, China is dumping the subject goods not only in India but also in other countries as well. In the event of cessation of the existing anti-dumping duty, it would not be difficult for the Chinese producers/exports to completely capture Indian market by replacing the Indian producers.

J. INJURY AND CAUSAL LINK DETERMINATION

24. The domestic industry has alleged continued dumping and injury and requested for enhancement of the anti-dumping duty in force. The subject sun set review investigation is for assessing the situation of continued dumping and injury or likelihood of dumping and injury and for reviewing the necessity for continuance/enhancement of the anti dumping duty in force for further period of five years.
25. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
26. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant

degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

27. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

Examination by the Authority

28. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority notes the concern of the parties about analysis of injury parameter and has addressed the same by undertaking analysis of all mandatory injury parameters.

- (A) **VOLUME EFFECT:** Volume effect of dumped imports and impact on domestic industry:

Demand and Market shares

29. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below. It is seen that demand of the product in the country shows an increasing trend throughout the injury period.

Figures in MT

Demand	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Sales of Domestic Industry	22,227	24,844	21,828	25,466
Captive Consumption	***	***	***	***
Sales of other Indian Producers	2,813	2,813	2,813	2,813
Import from China	5,839	4,183	8,309	11,332

Import from EU (Country attracting anti dumping duty)	2,268	2,423	1,503	2,595
Imports - Other Countries	2	120	396	89
Total Demand	33,806	35,048	36,202	43,604

Import Volume & market share

30. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Imports - MT	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Import from China	5,839	4,183	8,309	11,332
Share of Chinese Imports in relation to (%)				
➤ Total imports in India	72.00	62.19	81.40	80.85
➤ Demand in India	17.27	11.94	22.95	25.99
➤ Production of Indian Industry	21.63	14.39	29.67	34.18

31. The Authority notes that there has been significant increase in imports in spite of existing anti-dumping duties. Subject imports also have increased in relation to production and consumption in India.

Production, capacity and capacity utilization

32. The Authority notes from the table below that production, capacity of the domestic industry have increased during the POI as compared to the base year. However capacity utilization marginally increased as compared to the base year.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Installed capacity of DI	MT	38,500	40,500	43,500	47,500
Total Production	MT	31,396	33,885	32,003	39,293
Capacity utilization DI	%	81.55	83.67	73.57	82.72

The Plant and machinery are commonly used for manufacturing of Sodium Nitrite and Sodium Nitrate by the domestic Industry, in view of that the combined production capacity of the domestic industry has been assessed by the Authority by taking into account both the products.

Sales of the Domestic Industry:

33. Sales volumes of domestic industry are given in the following table: -

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Domestic sales of DI	MT	22,227	24,844	21,828	25,466
Indexed	%	100	112	98	115

The Authority notes that the sales volume of the domestic industry shows increasing trend during the POI as compared to the base year as well as the immediate preceding year,

34. Share of the domestic industry and various other parties in demand in India was as under:

Market Share in Demand (%)	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Sale of Domestic Industry	65.75	70.89	60.30	58.40
Captive Consumption	***	***	***	***
Sales of other Indian Producers	8.32	8.03	7.77	6.45
Imports - China	17.27	11.94	22.95	25.99
Imports -- EU attracting ADD	6.71	6.91	4.15	5.95
Imports - Other Countries	0.01	0.34	1.09	0.20

The Authority notes that the market share of the domestic industry has decreased during POI as compared to the base year as well as the immediate preceding year. The share of the supporting company and other domestic producers has declined throughout the injury period. The Authority also notes that the share of Chinese exports has increased during the POI as compared to the base year as well as the immediate preceding year. The Authority notes that decline in share of domestic industry in demand has been captured

by imports from China PR. Further, even when the anti dumping duties remained in effect, the volume of imports has not got impacted by the existing anti dumping duties.

B) Price Effect - Price effect of dumped imports and impact on domestic industry:

35. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed value of imports from the subject country. A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

Price Undercutting and Underselling :

36. The price undercutting/underselling and price suppression/depression effects are examined below:

<u>Price undercutting (without anti-dumping duty)</u>	<u>Rs/MT</u>
NSR	***
Landed Price	***
Price undercutting Rs	***
Price undercutting % (Range)	10 - 20
<u>Price underselling (without anti-dumping duty)</u>	
NIP	***
Landed Price	***
Price underselling Rs	***
Price underselling % (Range)	0 - 10

<u>Price undercutting (with anti-dumping duty)</u>	<u>Rs/MT</u>
NSR	***
Landed Price	***
Price undercutting Rs	***
Price undercutting % (Range)	5 - 15
<u>Price underselling (with anti-dumping duty)</u>	
NIP	***
Landed Price	***
Price underselling Rs	***
Price underselling % (Range)	0 - 10

Price Suppression and Depression

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs/MT	***	***	***	***

The Authority notes that landed price of imports is below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting, both with and without ADD. However, the landed price of imports both with and without duty is marginall less than the non-injurious price, thus resulting in marginally positive price underselling. Further, price suppression/depression effect is also absent.

K. Examination of other Injury Parameters

37. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

Profit/loss, return on investment and cash flow

38. The return on investment, profit/loss before and after interest, return on investment and cash profit are as shown in the table below:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Cost of Sales - Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	%	100	93	115	85
Selling price - Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	%	100	106	174	131
Profit/(Loss) - Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	%	-100	-48	80	65
Profit/(Loss) - Domestic	Rs Lacs	***	***	***	***
Indexed	%	-100	-54	78	75
Profit before Interest and Taxes on Domestic Sales	Rs Lacs	***	***	***	***
Indexed	%	-100	-34	135	114
Cash Profit	Rs Lacs	***	***	***	***
Indexed	%	-100	-43	115	113
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Indexed	%	-100	-36	129	107

- i) The profit, cash profit and return on capital employed (ROCE) have shown significant improvement in POI as compared to base year. However, profit, cash profit and return on capital employed (ROCE) have declined in POI as compared to preceding year.

Inventories:

39. Inventories with the domestic industry have been as under:

	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Average stock	***	***	***	***
Indexed	100	49	16	16

The Authority notes that average inventories with the domestic industry have substantially declined during POI in comparison to base year, however, the same marginally increased during POI in comparison to immediate preceding year.

Employment and wages

40. The employment and wages position of the domestic industry are as follows:

		2006-07	2007-08	2008-09	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	77	78
Salary & wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	170	180	199

The Authority notes that the employment level of the domestic industry shows a decline whereas salary & wages paid by the domestic industry increased.

Productivity

41. The Productivity position of the domestic industry is as follows:

		2006-07	2007-08	2008-09	POI
Productivity per day	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	104	125
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	135	161

Productivity has increased significantly during the POI compared to the base year as well as the immediate preceding year, in tandem with production and employment.

Dumping Margin

42. The Authority notes that the dumping margin of the exports of the subject goods from the subject country is positive and above de-minimis.

Growth

43. The Authority notes that the domestic industry has shown positive growth in terms of increase in production, domestic sales, capacity utilization, profit, profitability, ROCE, productivity and decrease in inventory.

Ability to raise capital investments

44. The Authority notes that the domestic industry is a multi product company. Their ability to raise further investment is not a significant factor in this case.

L. Likelihood of continuation/recurrence of injury**Submissions of domestic industry**

45. The domestic industry has made the following claims with regard to likelihood of recurrence of injury:-
- a) The imports are still continuing in significantly increased volumes and are being reported at low and dumped prices.
 - b) The circumstances, which were prevalent at the time of previous investigations, are very much in existence even till date. There has been no change in the circumstance, which could suggest that the dumping would not recur at the aggravated level at which it was at the time of previous investigations.
 - c) Imports from European Union are also attracting anti dumping duty.
 - d) Considering the huge production capacities of the subject goods in the subject country and the export orientation of Chinese producers and the increasing demand for the subject goods in India, in all likelihood any reduction or revocation of the anti-dumping duty may lead to spurt in the dumped imports injuring the domestic industry.
 - e) Positive price undercutting even after considering the anti-dumping duties in force indicate the likely adverse price effect of dumped imports on Domestic Industry in the event of expiry of the anti dumping duty in force. In the event of revocation of anti dumping duties, the domestic industry would face much bigger threat of imports from the subject country.
 - f) Chinese exporters are exporting the subject goods to the third countries in significant volumes. This is evident from the price at which the goods have been exported to a number of other countries. Reasons for such dumping in the third country market are to be seen in the surplus capacities of the product in the subject country.

- g) The capacities created by producers in China are significantly high. There are 92 producers of Sodium Nitrite in China. Huge volume of exports being made by the Chinese producers in third country markets makes it evident that the volume of imports into India would increase significantly in the event of revocation of anti-dumping duty.
- h) Chinese producers have huge capacities of Sodium Nitrite and have been exporting substantial quantities to India as well as third countries. It is noted that the domestic industry is facing continuous dumping of subject goods from China. However, there is no reason or justification to believe that revocation of the duty would not lead to increased or continued dumping at large scale with consequent severe injury to the domestic industry.
- i) The present form of duty is ineffective and needs to be modified to fixed form expressed in US\$.

Examination by Authority

46. Authority has examined the likelihood of the continuation/recurrence of injury to the domestic industry as follows:

- i) No response/submission was made by either the producers/exporters from the subject country or by the Indian importers of the subject goods.
- ii) The Authority notes that imports of product under consideration from the subject country has substantially increased during period of investigation as compared to base year as well as preceding year and has remained significant over the current injury period in absolute terms.
- iii) The imports of the subject goods from the subject country continued to be at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
- iii) Price undercutting both with and without Anti-dumping duty is positive and substantial.
- iv) Price Underselling effect with AD duty and without AD duty is positive. However, it is less than 1% with duty.
- v) The overall economic health of the domestic industry has improved in terms of various economic parameters such as production, capacity utilization, domestic sales, profits, cash profits, return on capital employed etc.
- vi) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimus.

- vii) The domestic industry, in their earlier submissions, had represented for conversion of present anti dumping duties from benchmark form to fixed form, expressed in US\$. But, in their comments on the disclosure statement, issued by the Authority, the domestic industry has requested the Authority for recommending the bench mark form of duty.

M. OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK

47. The Authority has examined the submissions with regard to the significance and relevance of causal link in a sunset review investigation. It is important to note under Section 9A(5), the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

Volume and Prices of imports not sold at dumped prices

48. The Authority observes that the imports of the product under consideration from Europe are also attracting anti dumping duty. Imports from other countries not attracting anti dumping duty are de-minimis during the POI.

Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

49. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Further there is no perceptible competition among the domestic producers, except that is obvious of a market economy.

Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

50. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. Therefore, any possible decline in demand is not a factor, which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor does it appear that changes in the pattern of consumption could have inflicted the injury to the domestic industry.

Export performance

51. Export sales of the domestic industry have substantially increased during POI as compared to the base year. Therefore, trend in exports is not a possible cause of injury to the domestic industry. However, the data with respect to domestic sales has been examined separately.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Exports Sales	MT	***	***	***	***

N. Magnitude of Injury and Injury margin

52. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI. Thus compared, the injury margin is worked out as under:

Particulars	Unit	Amount
NIP	Rs/MT	***
Landed Price	Rs/MT	***
Injury margin	Rs/MT	***
Injury margin	%	***
Injury margin (Range)	Index	0 - 10

O. Indian industry's interest and other issues

53. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.
54. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

P. CONCLUSIONS

55. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- a. No response/submission was made by either the producers/exporters from the subject country or by the Indian importers of the subject goods.

- b. In spite of the anti-dumping duty in force, the Chinese exporters command a significant share in the Indian market.
- c. The landed price of imports, even with anti dumping duty, is lower than the domestic selling price.
- d. Chinese exports causing positive and substantial price undercutting (with ADD as well as without ADD), although in both the situations price underselling is marginally positive.
- e. During POI, as compared to preceding year, the domestic industry has shown declining trend in some of the major economic parameters such as sales, profit, profitability, cash profit and ROCE. However, during POI, in comparison with base year, there is a marked improvement in the overall economic health of the domestic industry, showing positive growth in terms of increase in production and domestic sales, increase in capacity utilization, increase in profit and profitability, increase in ROCE, increase in productivity and decrease in inventory.
- f. The situation of domestic industry has improved due to the existing anti-dumping duties, but it is noted that even with the existing anti-dumping duties, the price undercutting is positive. Moreover, the injury margin is marginally positive.
- g. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and the dumping margin is above de-minimis.
- h. Based on the information provided by the domestic industry, the Authority notes that the US Authority vide their investigation No. 701-TA-453 (Final) and 701-TA-1136-1137 (Final) dated August 2008, concerning imports of Sodium Nitrite from China and Germany, has also imposed anti-dumping duty against China. This is indicative of the potential and psyche of the Chinese producers/exporters to dump the subject goods into India in a more intensified manner, in the event of cessation of the existing anti-dumping duty imposed by India, causing further injury to the domestic industry.
- i. From the information provided by domestic industry, Authority further notes that China has tremendous production capacity of the subject goods, far exceeding demand in India. In the event of cessation of the existing anti-dumping duty, it would not be difficult for the Chinese producers/exports to completely replace the producers in the Indian market.
- j. Based on the information available in World Trade Atlas that during the POI the Average price of Chinese exports of the subject goods to world over is US\$ 0.46 per KG, whereas exports to India is at US\$ 0.44 per Kg. The export price to India which is dumped price is marginally lower than the world average export price. Deriving its strength from its huge production capacity, China is dumping the subject goods not only in India but also in other countries as well. In the event of cessation of the existing anti-dumping duty, it would not be difficult for the Chinese producers/exports to completely capture Indian market by replacing the Indian producers.

56. The domestic industry has represented for conversion of present anti dumping duties from benchmark form to fixed form, expressed in US\$. But, the Domestic Industry did not furnish any substantive data/documents to justify the requirement of change of form of the duty. Moreover the improvement in the overall economic health of the domestic industry does not warrant any modification in the form of the existing anti-dumping measures. Thus in view of above position, the Authority does not consider it appropriate to modify the form of measure from reference price basis to fixed quantum basis.

Q. Indian industry's interest and other issues

57. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.
58. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

R. Recommendations

59. Having concluded that there is likelihood of continuation and intensification of dumping and injury on account of imports of the subject goods from the subject country if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended and the quantum of the anti-dumping duty is required to be modified in respect of imports of the subject goods from the subject country as recommended by the Authority vide Final Findings Notification No.39/1/1999-DGAD dated 01.12.2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I, and notified by the Central Government vide Notification No.3/2006-Customs dated 17.01.2006.
60. Having examined the current dumping and likelihood of dumping to be imminent in case of withdrawal of the current measure in place and since none of the exporters from the subject country has cooperated and provided the required information/data, the Authority recommends continued imposition of the anti-dumping duty, equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, as in the duty table given below, for a further period of five years in respect of the subject goods originating in or exported from China PR. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col. 8 of the duty table given below and the landed value is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from China PR:-

Sl No	Customs Sub heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2834 10	Sodium Nitrite	China PR	China PR	Any	Any	515.94	MT	USD
2	2834 10	Sodium Nitrite	China PR	Any	Any	Any	515.94	MT	USD
3	2834 10	Sodium Nitrite	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	515.94	MT	USD

S. Further Procedures

61. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs Authority under the Customs Act, 1962 and all duties of Customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
62. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority